22 मार्च 2026
रविवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

बिस्मिल्लाह खां महोत्सव में सजी सुरों की महफिल
2

एक नजर

दिव्यांगों के लिए कैब में वीलचेयर की सुविधा जरूरी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को दिव्यांगजनों की मदद के लिए बेहतर इंतजाम करने की जरूरत पर जोर दिया। कोर्ट ने कहा कि कैब सेवाओं को इस तरह तैयार किया जाना चाहिए कि उनमें वीलचेयर और अन्य सहायक डिवाइस रखने की सुविधा हो। जस्टिस विक्रम नाथ की अगुवाई वाली बेंच दिव्यांगजनों के लिए फर्स्ट माइल और लास्ट-माइल कनेक्टिविटी से जुड़ी याचिका पर सुनवाई कर रही थी। बेंच ने कहा कि आज बड़े शहरों में हर जगह कैब उपलब्ध हैं, इसलिए कैब कंपनियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वे दिव्यांगजनों की वीलचेयर और अन्य सहायक डिवाइस को समायोजित कर सकें।कोर्ट ने दिव्यांगजनों के लिए विशेष कैब की व्यवस्था करने का भी सुझाव दिया। अदालत ने कहा कि कैब ऐप में ऐसे विकल्प हो सकते हैं, जहां से दिव्यांगजनों के लिए खास तौर पर डिजाइन की गई कैब बुक की जा सके।

पूर्व सीएम पटनायक ने छह विधायकों को निलंबित किया

भुवनेश्वर। बीजू जनता दल (बीजेडी) ने हालिया राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग सहित पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में छह विधायकों को तत्काल प्रभाव से पार्टी से निलंबित कर दिया है। पार्टी अध्यक्ष नवीन पटनायक की ओर से जारी आदेश में निलंबित विधायकों के नाम इस प्रकार हैं-चक्रमणि कन्हार-बालिगुड़ा सीट, नबा किशोर मल्लिक-जयदेव क्षेत्र, सौविक बिस्वाल-चौडवार-कटक, सुबासिनी जेना-बास्ता, रमाकांत भोई- तिरटोल, देवी रंजन त्रिपाठी- बांकी शामिल है। बीजद की राजनीतिक मामलों की समिति (पीएसी) की बैठक में इन विधायकों के निलंबन का फैसला लिया गया। बैठक की अध्यक्षता पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने की। इन छह विधायकों को 17 मार्च को कारण बताओ नोटिस भेजा गया था। उन्होंने शुक्रवार शाम तक अपने जवाब भेजे। लेकिन, बीजद की मुख्य सचेतक प्रमिला मल्लिक ने कहा कि जवाब संतोषजनक नहीं पाए गए।

अमेरिका ने हटाया प्रतिबंध, अब फिर ईरान से तेल खरीदेगा भारत

- भारतीय रिफाइनर ईरानी तेल खरीद फिर शुरू करने की योजना बना रहे हैं
- अमेरिका ने ईरानी तेल खरीद पर अस्थायी प्रतिबंध हटा दिया है
- समुद्र में फंसे लाखों बैरल ईरानी तेल की खरीद संभव होगी

एजेंसी। नई दिल्ली

अमेरिका ने ईरानी तेल पर लगी पाबंदी को अस्थाई तौर पर हटाने की घोषणा की है। इसका सबसे ज्यादा फायदा जिन देशों को हो सकता है उनमें भारत भी शामिल है। दरअसल ईरान युद्ध के बाद दुनिया के एनर्जी मार्केट पर दबाव बढ़ा है और अमेरिका ने समुद्र में मौजूद ईरानी तेल के लिए यह छूट दी है। इससे पहले अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा था कि ट्रंप प्रशासन समुद्र में मौजूद जहाजों पर पहले से लदे ईरानी तेल पर लगी पाबंदियों में ढील देने की सोच रहा है। इस तरह के कदम उठाने से अंतरराष्ट्रीय बाजार में करोड़ों बैरल तेल की सप्लाई हो सकती है। इससे युद्ध की वजह से शिपिंग और तेल उत्पादन में रुकावट की भरपाई हो सकती है। भारत को सस्ता तेल खरीदने का भी अनुभव है। अगर ईरानी तेल के मामले में सीमित ढील भी दी जाती है तो भारत के लिए राहत और अवसर दोनों पैदा हो सकता है। स्कॉट बेसेंट का सुझाव ऐसे बक्त दिया था जब युद्ध की वजह से तेल की सप्लाई पर दबाव बढ़ रहा है।

अमेरिका रणनीति में बड़ा बदलाव

अमेरिका का ये कदम उसकी लंबे समय से चली आ रही नीति में एक बड़ा और अनिश्चित बदलाव माना जा रहा है। स्कॉट बेसेंट के मुताबिक समुद्र में अभी 14 करोड़ बैरल तेल का कार्गो मौजूद है। अमेरिका खरीददारों तक इसे पहुंचने की मंजूरी देने से सप्लाई की दिक्कतें कम करने और कीमतों को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी. भले ही ये 10 से 14 दिनों तक ही क्यों न हो। इस कदम से जो तेल चीन जा रहा था वो अब दूसरे एशियाई देशों की ओर भी जा सकता है. जिससे चीन को बाजार दर पर तेल खरीदना पड़ सकता है। साथ ही भारत, जापान और मलेशिया जैसे देशों के लिए कच्चा तेल उपलब्ध हो सकेगा। चीन अभी ईरानी तेल का सबसे बड़ा खरीददार है।

बंद कमरे से मिली 5 लाशें, इलाज के लिए कोच्चि आया था पूरा परिवार

एजेंसी। तिरुवनंतपुरम

केरल के कोच्चि से दिल को झकझोर देने वाली खबर सामने आई है। शहर के वडुथला इलाके में एक किराए के मकान में एक ही परिवार के पांच लोग मृत पाए गए हैं। मृतकों में दो महिलाएं और तीन मासूम बच्चे शामिल हैं। शुरूआती जांच में पुलिस इसे सामूहिक आत्महत्या का मामला मान रही है। अंदेशा जताया जा रहा है कि पहले परिवार के बड़ों ने बच्चों की जान ली, इसके बाद खुद भी मौत को गले लगा लिया। पुलिस के मुताबिक, मृतक परिवार मूल रूप से तिरुवनंतपुरम का रहने वाला था। परिवार पिछले कुछ महीनों से वडुथला में एक किराए के मकान में रह रहा था। बताया जा रहा है कि वे परिवार के किसी सदस्य का पास के ही एक निजी अस्पताल में इलाज कराने के सिलसिले में यहां आए थे। मृतकों की पहचान कनकलता और उनकी बेटी अश्वथी के रूप में हुई है। बाकी तीन मृतक अश्वथी के ही बच्चे थे। अब आपके मन में सवाल उठ रहा होगा कि आखिर कमरे में पांच लोगों की मौत के बारे में पता कैसे चला? एनार्कुलम नॉर्थ पुलिस स्टेशन के अधिकारियों ने कहा कि यह परिवार शुक्रवार से ही घर से बाहर नहीं निकला था।

प्री-क्राइसिस स्तर के 50 प्रतिशत तक कर दिया गया

राज्यों को कमर्शियल गैस की सप्लाई 20 फीसदी बढ़ाई

■ प्रवासी मजदूरों के लिए 5 किलो वाले सिलेंडर शामिल

एजेंसी। नई दिल्ली

पश्चिमी एशिया में छिड़ी जंग के चलते देश में बने ऊर्जा संकट के बीच सरकार ने बड़ा फैसला लिया है. 23 मार्च से कमर्शियल पीएलजी की आपूर्ति को बढ़ाकर प्री-क्राइसिस स्तर के 50 प्रतिशत तक कर दिया गया है। सरकार का फोकस खासतौर पर फूड सर्विस सेक्टर और सामुदायिक रसोई (कम्युनिटी किचन) पर है, ताकि आम लोगों को राहत मिल सके और आवश्यक सेवाएं प्रभावित न हों। इसके साथ ही, सरकार पीएलजी पाइप्ड नेचुरल गैस की ओर शिफ्ट को बढ़ावा दे रही है। इसके लिए अनिवार्य रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया भी लागू की जा रही है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अनुसार, यह अतिरिक्त 20 प्रतिशत एलपीजी उन क्षेत्रों को प्राथमिकता के आधार पर दिया जाएगा, जहां इसकी ज्यादा जरूरत है। इनमें रेस्टोरेंट, ढाबे, होटल, औद्योगिक कैंटीन, फूड प्रोसेसिंग और डेयरी यूनिट, सरकारी सब्सिडी वाले कैंटीन, कम्युनिटी किचन और प्रवासी मजदूरों के लिए 5 किलो वाले सिलेंडर शामिल हैं।

केंद्र ने कमर्शियल गैस एलोकेशन बढ़ाया

केंद्र सरकार ने राज्यों को 20 फीसदी ज्यादा कमर्शियल गैस का एलोकेशन बढ़ाया है. अब राज्यों को कमर्शियल पीएलजी का अतिरिक्त 20 प्रतिशत आवंटन मिलेगा, जिससे कुल सप्लाई 50 प्रतिशत तक पहुंच जाएगी. रेस्टोरेंट, होटल, ढाबे और इंडस्ट्री को प्राथमिकता दी जाएगी। पीएलजी लेने के लिए रजिस्ट्रेशन और पीएलजी के लिए आवेदन जरूरी होगा। मंत्रालय की ओर से कहा गया है कि 20 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने केंद्र सरकार के दिशा-निर्देशों के मुताबिक गैर-घरेलू एलपीजी की सप्लाई के आदेश जारी कर दिए हैं। बाकी राज्यों में सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियां कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर उपलब्ध करा रही हैं। पिछले एक हफ्ते में करीब 13,479 मीट्रिक टन एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति की गई है. शिक्षण संस्थानों और अस्पतालों को प्राथमिकता दी गई है और कुल कमर्शियल एलपीजी का लगभग 50 प्रतिशत हिस्सा इन्हीं क्षेत्रों को दिया जा रहा है।

एलपीजी की जमाखोरी-कालाबाजारी पर एक्शन

एलपीजी की जमाखोरी और कालाबाजारी रोकने के लिए देश भर में लगातार छापेमारी की जा रही है। उत्तर प्रदेश, तेलंगाना और महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में अब तक 3500 से ज्यादा छापे मारे गए हैं और करीब 1400 सिलेंडर जब्त किए गए हैं। तेल कंपनियों के अधिकारियों ने 2000 से ज्यादा पेट्रोल पंप और एलपीजी एजेंसियों पर अचानक जांच भी की है, ताकि सप्लाई सुचारू बनी रहे और किसी तरह की गड़बड़ी न हो। सरकार ने कहा कि युद्ध जैसे हालात के बावजूद घरेलू एलपीजी और पीएनजी को सबसे ज्यादा प्राथमिकता दी जा रही है, साथ ही अस्पतालों और शिक्षण संस्थानों को भी प्राथमिकता दी गई है।

हर जेब पर महंगाई का असर पड़ना तय : राहुल

एजेंसी। नई दिल्ली

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारत का रुपया रिकॉर्ड स्तर पर नीचे जा चुका है। कमजोर होते जा रहे रुपये में लगातार हो रही गिरावट को लेकर राहुल गांधी ने चिंता जताई है। पश्चिम एशिया में वैश्विक ताकतों के टकराव से उपजे तनाव के कारण महंगाई को लेकर आगाह करते हुए राहुल गांधी ने एक्स पर विस्तार से पोस्ट लिखा। उन्होंने कहा, सरकार भले ही हालात सामान्य होने का दावा करे, लेकिन सच्चाई कुछ और है। उन्होंने उद्योग जगत में इस्तेमाल किए जाने वाले ईंधन के महंगे होने का जिक्र करते हुए लिखा कि ये महज आंकड़े नहीं आने वाली महंगाई के साफ संकेत हैं। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने चुनाव के बाद पेट्रोल और डीजल के साथ-साथ रसोई गैस (एलपीजी) की कीमतों में भी उछाल की आशंका व्यक्त की है। उन्होंने अपने एक्स पोस्ट में आने वाले दिनों में दाम बढ़ाए जाने का जिक्र कर लिखा, 'उत्पादन और ट्रांसपोर्ट महंगे होंगे।' राहुल गांधी ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग (एमएसएमई) पर सर्वाधिक असर पड़ने की बात भी कही। आने वाले दिनों में शेयर बाजार पर असर पड़ने का जिक्र करते हुए राहुल गांधी ने विदेशी संस्थागत निवेशकों का भी उल्लेख किया। राहुल ने कहा कि एफआईआई का पैसा तेजी से बाहर जाएगा, जिससे शेयर बाजार पर दबाव बढ़ेगा। पश्चिम एशिया के मौजूदा हालात को लेकर केंद्र सरकार को घेरते हुए राहुल ने अपने पोस्ट में आगे लिखा, 'हर परिवार की जेब पर इसका सीधा और गहरा असर पड़ना तय है। और यह सिर्फ वक्त की बात है-- चुनाव के बाद पेट्रोल, डीजल, एलपीजी की कीमतें भी बढ़ा दी जाएंगी।' उन्होंने आगे लिखा, 'मोदी सरकार के पास न दिशा है, न रणनीति- सिर्फ बयानबाजी है। सवाल यह नहीं कि सरकार क्या कह रही है- सवाल यह है कि आपकी थाली में क्या बचा है।

22 मार्च : यूपी, बिहार सहित 13 राज्यों में बारिश-तूफान का अलर्ट, 85 की रफ्तार से तेज हवा

नई दिल्ली। देश के पूर्वी भाग से लेकर उत्तरी भाग तक बारिश- आंधी का प्रचंड प्रहार जारी है। इस बीच मौसम विभाग ने 22 मार्च के लिए एक बार फिर से यूपी, बिहार और दिल्ली समेत 13 राज्यों में बारिश और तूफानी हवा की चेतावनी जारी कर दी है। लोगों को इस दौरान बेहद सतर्क रहने की जरूरत है। पूर्वी भारत में आकाशीय बिजली और वज्रपात कहर बरपा सकता है। वहीं, इस दौरान 70 से 85 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी चल सकती है। तेज बारिश के चलते तापमान में 3 से 4 डिग्री सेल्सियस तक की कमी देखी जा सकती है। किसानों को खुले में जाने से बचने की सलाह दी गई है। 22 मार्च को दिल्ली में भी हल्की से मध्यम बारिश की चेतावनी है। वहीं, इस दौरान 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है।मौसम विभाग के मुताबिक 23 मार्च को हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड मं कुछ जगहों पर मध्यम से भारी बारिश की चेतावनी है और साथ में 30 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड से आंधी चलेगी।आईएमडी के मुताबिक 22 मार्च को पूर्वी उत्तर प्रदेश और राजस्थान में बारिश और तूफान कहर बरपा सकती है। इस दौरान 50 किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड से हवा चल सकती है। बिहार में कुछ जगहों पर भारी बारिश की प्रबल संभावना है आईएमडी के मुताबिक 22 मार्च से 25 मा पश्चिम बंगाल,सिक्किम और ओडिशा में कुछ जगहों पर बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

बिस्मिल्लाह खां महोत्सव में सजी सुरों की महफिल

शहनाई की गूंज से सराबोर हुआ डुमरांव, दिखी कला संस्कृति और संगीत की मधुर त्रिवेणी

■ **महान शहनाई वादक की जन्मस्थली पर कलाकारों ने दी भावपूर्ण श्रद्धांजलि, देर रात तक झूमते रहे दर्शक**

केटी न्यूज/डुमरांव

कला, संस्कृति और संगीत की मधुर त्रिवेणी शनिवार को डुमरांव में उस समय देखने को मिली, जब कला एवं संस्कृति विभाग, बिहार सरकार एवं जिला प्रशासन बक्सर के संयुक्त तत्वावधान में राज प्लस टू उच्च विद्यालय, डुमरांव परिसर में भव्य उस्ताद बिस्मिल्ला खां महोत्सव का आयोजन किया गया। अपनी मिट्टी के महान सपूत और विश्वविख्यात शहनाई वादक उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ को समर्पित इस महोत्सव ने पूरे इलाके को सुरमयी बना दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ डुमरांव विधायक राहुल कुमार सिंह, जिलाधिकारी साहिला, उप विकास आयुक्त निहारिका छवि, अपर समाहर्ता अरुण कुमार सिंह एवं अनुमंडल पदाधिकारी राकेश कुमार द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। दीप प्रज्वलन के साथ ही पूरे परिसर में सांस्कृतिक ऊर्जा का संचार हो गया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने अपने संबोधन में उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ के जीवन और उनके अद्वितीय योगदान को विस्तार से याद किया। उन्होंने कहा कि डुमरांव की धरती पर जन्मे इस महान कलाकार ने न केवल शहनाई को वैश्विक पहचान दिलाई, बल्कि भारतीय शास्त्रीय संगीत को भी नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। बनारस घराने की शैली में उनके वादन ने संगीत प्रेमियों के दिलों में अमिट छाप छोड़ी। उन्हें पद्मश्री, पद्म भूषण, पद्म विभूषण और वर्ष 2001 में भारत रत्न जैसे सर्वोच्च सम्मानों से नवाजा गया। महोत्सव का सबसे आकर्षक क्षण तब आया, जब उस्ताद के पुत्र एवं प्रसिद्ध तबला वादक नाजिम हुसैन ने मंच संभाला। उनकी ताल की थाप पर पूरा परिसर गूंज उठा। दर्शकों ने करतल ध्वनि से उनका भव्य स्वागत किया। अपने पिता की विरासत को आगे बढ़ाते हुए उनकी प्रस्तुति ने लोगों को भाव-विभोर कर दिया। शहरवासियों के स्नेह और सम्मान से अभिभूत नजर आए नाजिम हुसैन ने भी अपनी खुशी व्यक्त की। कार्यक्रम में युवा साहित्यकार मुरली मनोहर श्रीवास्तव ने भी अपने विचार रखे। उन्होंने उस्ताद बिस्मिल्ला खां के जीवन से जुड़े कई अनछुए पहलुओं को साझा करते हुए बताया कि कैसे उन्होंने साधारण परिवेश से निकलकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई। उनके संस्मरणों ने कार्यक्रम में भावनात्मक रंग भर दिया। महोत्सव में स्थानीय प्रतिभाओं को भी मंच प्रदान किया गया, जिससे आयोजन और अधिक जीवंत हो उठा। सुमन कुमारी, अमित कुमार, अभिषेक कुमार, ऐश्वर्या कुमारी, शिवपूर्णा पाण्डेय, ओमकार दूबे, ज्योति कुमारी और ब्रजेश चौबे ने अपने गायन से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। वहीं मनोज मोहित के नृत्य ने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। शुभम कुमार समूह द्वारा प्रस्तुत समूह गायन ने कार्यक्रम में सामूहिकता और समरसता का भाव जगाया। मुख्य आकर्षण के रूप में सूफी बॉलीवुड गायक राकेश राज शानू ने अपनी प्रस्तुति से माहौल को और अधिक संगीतमय बना दिया। जयपुर घराने के शबरी ब्रदर्स ने शास्त्रीय संगीत की गहराई का अहसास कराया, वहीं उस्ताद बिस्मिल्ला खां घराना द्वारा प्रस्तुत शहनाई वादन ने जैसे समय को थाम लिया। शहनाई की मधुर तान सुनकर दर्शक भावविभोर हो उठे और पूरा वातावरण भक्तिमय और सुरमयी हो गया। कार्यक्रम के दौरान प्रशासनिक व्यवस्था भी पूरी तरह चुस्त-दुरुस्त रही। डीसीएलआर टेसलाल, बीडीओ संदीप कुमार पांडे, थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा, सर्किल इंस्पेक्टर अरविंद कुमार सुमित सहित बड़ी संख्या में पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी मौके पर मौजूद रहे, जिससे आयोजन शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कुल मिलाकर, यह महोत्सव न केवल उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ को श्रद्धांजलि देने का माध्यम बना, बल्कि डुमरांव की सांस्कृतिक पहचान को भी नई ऊर्जा प्रदान कर गया। सुर, ताल और भावनाओं से सजे इस आयोजन ने यह साबित कर दिया कि संगीत की कोई सीमा नहीं होती, यह सीधे दिलों को जोड़ने का काम करता है।

बक्सर में बिहार दिवस पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन आज

केटी न्यूज/बक्सर

कला एवं संस्कृति विभाग, बिहार एवं जिला प्रशासन बक्सर के संयुक्त तत्वावधान में बिहार दिवस समारोह 2026 के अवसर पर रविवार, 22 मार्च को जिलेभर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इसे लेकर प्रशासनिक स्तर पर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

कार्यक्रम की शुरूआत अनुमंडल स्तर पर क्विज प्रतियोगिता से होगी, जिसका आयोजन जिला शिक्षा कार्यालय, बक्सर द्वारा किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में विद्यार्थियों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए सभी संबंधित विद्यालयों को निर्देश जारी किए गए हैं। प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्रों में बिहार के इतिहास, संस्कृति और गौरव के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

वहीं, सुबह 7 बजे से ह्यरन फॉर फिटह्न थीम के तहत मैराथन दौड़ का आयोजन किया जाएगा। यह दौड़ 11 नंबर लख बड़ी नहर से सोंधीला पुल तक करीब 3 किलोमीटर की दूरी में आयोजित होगी। प्रशासन ने अधिक से अधिक लोगों से इसमें भाग लेने की अपील की है, ताकि स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का संदेश व्यापक रूप से फैल सके।

शाम बाद चार बजे से नगर भवन, बक्सर में मुख्य कार्यक्रम आयोजित होगा। इस दौरान दीप प्रज्वलन, केक कटिंग, बिहार गौरव गान एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों को सम्मानित भी किया जाएगा।

जिला प्रशासन ने बताया कि बिहार दिवस को लेकर लोगों में उत्साह का माहौल है और सभी कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। अधिकारियों ने आमजन से बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की है, ताकि बिहार की समृद्ध संस्कृति और परंपरा का उत्सव पूरे उत्साह के साथ मनाया जा सके।

आग से उजड़ा आशियाना: कृष्णापुरी की दलित बस्ती में नुकसान का दर्द, राहत की दरकार

केटी न्यूज/चौसा

नगर पंचायत के वार्ड संख्या 4 स्थित कृष्णापुरी की अनुसूचित जाति बस्ती में शनिवार की अहले सुबह लगी आग ने कई परिवारों को गहरे संकट में डाल दिया। इस हादसे में एक मवेशी की जलकर मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से झुलस गए। आग की चपेट में आने से झोपड़ी में रखा घरेलू सामान, अनाज और नगदी समेत हजारों रुपये की संपत्ति जलकर राख हो गई। घटना के समय जनार्दन नट का परिवार पास की झोपड़ी में सो रहा था। अचानक उठी तेज लपटों और धुएं ने पूरे इलाके में अफरा-तफरी मचा दी। परिवार के लोगों ने किसी तरह बाहर निकलकर अपनी जान बचाई और शोर मचाया, जिसके बाद आसपास के ग्रामीण मौके पर जुट गए। लोगों ने तत्परता दिखाते हुए आग बुझाने की कोशिश शुरू की और दो मवेशियों को

बाहर निकाल लिया, लेकिन तब तक वे बुरी तरह झुलस चुके थे। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय पर मदद और संसाधन उपलब्ध होते, तो नुकसान को कम किया जा सकता था। घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि घनी आबादी वाली बस्तियों में अग्नि सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम क्यों नहीं हैं। संकरी गलियों और ज्वलनशील सामग्री से बनी झोपड़ियों के कारण ऐसी घटनाएं तेजी से फैलती हैं और भारी नुकसान पहुंचाती हैं। सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस और अग्निशमन दल मौके पर पहुंचा और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। मुफस्सिल थाना के अपर थानाध्यक्ष चंदन कुमार ने बताया कि आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। फिलहाल प्रशासन द्वारा क्षति का आकलन किया जा रहा है। घटना के बाद प्रभावित परिवारों के सामने सबसे बड़ी चुनौती पुनर्वास और रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने की है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से त्वरित राहत, मुआवजा और सुरक्षित आवास की व्यवस्था की मांग की है, ताकि पीड़ित परिवार फिर से अपने जीवन को पटरी पर ला सकें।

रामपुर पंचायत में जीविका का एकदिवसीय प्रशिक्षण, 80 महिलाओं ने लिया भाग

केटी न्यूज/केसठ

प्रखंड अंतर्गत रामपुर पंचायत के बीच मोहल्ला स्थित गांव में शनिवार को जीविका द्वारा एकदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एचएनएस एमआरपी रीता देवी एवं सीएम लक्ष्मी देवी मुख्य रूप से उपस्थित रहीं। इसमें रामपुर एवं जयरामपुर गांव की करीब 80 महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए आवश्यक कौशल, वित्तीय प्रबंधन तथा सरकारी सहायता राशि के प्रभावी उपयोग की जानकारी दी गई। दो लाख रुपये की राशि को कौशल विकास एवं छोटे व्यवसायों में निवेश कर स्थायी आय का स्त्रोत बनाने पर जोर दिया गया। पशुपालन, कृषि, हस्तशिल्प जैसे लघु उद्योगों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया गया।साथ ही स्वयं सहायता समूह के माध्यम से सामूहिक कार्य, लेनदेन एवं व्यवसाय विस्तार के लाभ बताए गए। उत्पादों की मार्केटिंग और डिजिटल माध्यमों के उपयोग पर भी विशेष जानकारी दी गई।अंत में महिलाओं ने प्रशिक्षण से मिली सीख को अपनाकर आर्थिक रूप से सशक्त बनने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में प्रियंका कुमारी, मीरा देवी, मुन्नी देवी सहित कई महिलाएं उपस्थित रहीं।

रौनक, रिश्ते और रूहानियत: बक्सर में ईद ने सजाया मोहब्बत का मंजर

■ नमाज, गले मिलन और सेवइयों की मिठास के बीच दिखी गंगा-जमुनी तहजीब, प्रशासन की मुस्तैदी से शांति बनी रही

केटी न्यूज/बक्सर

शनिवार की सुबह जैसे ही सूरज की पहली किरणें फिजा में घुलीं, बक्सर जिले का माहौल पूरी तरह बदल चुका था। हर तरफ एक अलग ही रौनक, एक अलग ही सुकून महसूस हो रहा था। मौका था ईद-उल-फितर का–रमजान के महीने की इबादतों के बाद खुशियों का दिन। इस खास मौके पर जिलेभर में लोगों ने न सिर्फ त्योहार मनाया, बल्कि रिश्तों, परंपराओं और भाईचारे की खूबसूरत मिसाल भी पेश की। सुबह-सुबह ईदगाहों और मस्जिदों की ओर बढ़ते लोगों के कदमों में एक अलग ही उत्साह था। सफेद कुर्ता-पायजामा, टोपी और पारंपरिक पहनावे में सजे लोग जब नमाज के लिए कतारों में खड़े हुए, तो मानो एकता और आस्था का अनूठा दृश्य सामने आ गया। सजदे में झुके सिरों ने अमन, तरक्की और खुशहाली की दुआ मांगी, जिससे पूरा वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से भर गया। नमाज खत्म होते ही सबसे खूबसूरत पल आया–गले मिलने का। ह्लईद मुबारकह्व की गूंज हर तरफ सुनाई देने लगी। छोटे-बड़े, अमीर-गरीब, हर किसी ने एक-दूसरे को गले लगाकर दिलों की दूरियां मिटाईं। यह सिर्फ एक रस्म नहीं, बल्कि आपसी मोहब्बत और भाईचारे का सजीव प्रतीक बन गया। बच्चों के लिए यह दिन और भी खास रहा। ईदी पाने की खुशी उनके चेहरों पर साफ झलक रही थी, और उनकी मुस्कान पूरे माहौल को और भी खुशनुमा बना रही थी। घर-घर में भी ईद की मिठास घुली रही। रसोई से उठती मीठी सेवइयों, शीरखुर्मा और तरह-तरह के पकवानों की खुशबू ने माहौल को और भी लजीज बना दिया। मेहमानों के स्वागत की परंपरा पूरे शबाब पर रही–लोग एक-दूसरे के घर पहुंचे, साथ बैठकर पकवानों का स्वाद लिया और रिश्तों को और मजबूत किया। इत्र की महक और नए कपड़ों की चमक ने इस त्योहार को और खास बना दिया।वहीं, जिले के बाजार भी दिनभर गुलजार रहे। सुबह से ही दुकानों पर भीड़ उमड़ पड़ी। सेवइयों, मिठाइयों, कपड़ों और इत्र की दुकानों पर खरीदारी का उत्साह देखते ही बन रहा था। हर दुकान, हर गली जैसे त्योहार की खुशी में शामिल नजर आई। इस पूरे उत्सव के बीच प्रशासन भी पूरी तरह सतर्क नजर आया। सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे, खासकर संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती रही। दंडाधिकारी लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए थे, वहीं सीसीटीवी कैमरों और साइबर टीम के जरिए हर गतिविधि की मॉनिटरिंग की जा रही थी। राहत की बात यह रही कि पूरे जिले में कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली। कुल मिलाकर, बक्सर में मनाई गई यह ईद सिर्फ एक त्योहार नहीं रही, बल्कि यह प्रेम, एकता और सामाजिक सद्भाव का जीवंत संदेश बनकर सामने आई। इबादत, इंसानियत और इंसानी रिश्तों की गर्माहट ने इस दिन को यादगार बना दिया।

गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल बनी ईद, हिंदू-मुस्लिम ने साथ मनाया खुशियों का पर्व

राजपुर। रमजान के पवित्र महीने के समापन के साथ शनिवार को राजपुर प्रखंड क्षेत्र में ईद-उल-फितर का पर्व आपसी भाईचारे और गंगा-जमुनी तहजीब की शानदार मिसाल के रूप में मनाया गया। इस दौरान सिर्फ धार्मिक अनुष्ठान ही नहीं, बल्कि सामाजिक एकता की झलक भी हर जगह देखने को मिली। सुबह सात बजे से ही खरगपुरा, संगराव, मंगराव, डिहरी, सरेंजा, खीरी, बन्नी, जमौली, तियरा, रामपुर, देवढ़िया, श्रीकांतपुर, सिकरौल और जलीलपुर सहित विभिन्न गांवों के ईदगाहों में लोगों ने शांतिपूर्ण माहौल में नमाज अदा की। नमाज के बाद मुस्लिम समाज के लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी। इस मौके पर खास बात यह रही कि हिंदू समुदाय के लोगों ने भी आगे बढ़कर अपने मुस्लिम भाइयों को बधाई दी और उनके घर जाकर सेवइयों का आनंद लिया। दिनभर एक-दूसरे के घर आने-जाने का सिलसिला चलता रहा, जिससे पूरे क्षेत्र में सौहार्द का वातावरण बना रहा। मंगराव और राजपुर में स्थानीय कमेटियों के नेतृत्व में ईद की नमाज का आयोजन किया गया, जहां समाज के लोगों की सक्रिय भागीदारी दिखी। वहीं जरूरतमंदों के बीच दान भी वितरित किया गया, जिससे पर्व की खुशियां सभी तक पहुंच सकें। शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। थानाध्यक्ष निवास कुमार पुलिस बल के साथ लगातार क्षेत्र में भ्रमण करते रहे। वहीं बीडीओ सिद्धार्थ कुमार और सीओ डॉ. शोभा कुमारी ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील करते हुए ईद की बधाई दी।

नावानगर में ईद की रौनक: इबादत, मोहब्बत और भाईचारे का दिखा खूबसूरत

केटी न्यूज/नावानगर

प्रखंड क्षेत्र में ईद-उल-फितर का पर्व पूरे हर्षोल्लास, शांति और भाईचारे के साथ मनाया गया। सुबह से ही सभी मस्जिदों और ईदगाहों में नमाजियों की भीड़ उमड़ पड़ी। साफ-सुथरे परिधानों में सजे लोग अल्लाह की इबादत में मग्न दिखे और नमाज अदा कर देश-दुनिया में अमन-चैन की दुआ मांगी।

नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी। हर तरफ ह्लईद मुबारकह्व की गूंज सुनाई देती रही, जिससे पूरा माहौल खुशियों से सराबोर हो गया। बच्चों में खास उत्साह देखने को मिला, जो नए कपड़े पहनकर सेवइयों और मिठाइयों का आनंद लेते नजर आए। इसी क्रम में बरांव ईदगाह में भी बड़ी संख्या में नमाजियों ने एकत्रित होकर ईद की नमाज अदा की। यहां सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र के कई प्रमुख लोग भी मौजूद रहे। पूर्व डुमरांव विधायक अजीत कुशवाहा, पूर्व मुखिया अख्तर हुसैन तथा मडिया पैक्स अध्यक्ष नीरज कुमार सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी लोगों के साथ ईद की खुशियां साझा कीं और आपसी सौहार्द का संदेश दिया।पूरे प्रखंड में ईद का त्योहार आपसी प्रेम, सद्भाव और एकता की

मिसाल बनकर उभरा। लोगों ने एक-दूसरे के घर जाकर बधाइयां दीं और मीठी सेवइयों के साथ रिश्तों की मिठास को और गहरा किया।

डुमरांव में भाईचारे की मिसाल बनी ईद, सौहार्द्र के बीच अदा हुई नमाज

केटी न्यूज/डुमरांव

रमजान के पवित्र महीने के समापन के बाद डुमरांव में ईद-उल-फितर का त्योहार इस वर्ष आपसी भाईचारे, सौहार्द्र और उल्लास के साथ शांतिपूर्ण माहौल में मनाया गया। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक हर ओर खुशियों की रौनक देखने को मिली। नमाज के बाद गले मिलकर एक-दूसरे को ईद की बधाई देने का सिलसिला दिनभर चलता रहा, जिसने सामाजिक एकता की खूबसूरत तस्वीर पेश की। ईद की मुख्य नमाज स्टेशन रोड स्थित ईदगाह में अदा की गई, जहां बड़ी संख्या में नमाजियों ने एक साथ सजदे में सिर झुकाकर अमन-चैन और तरक्की की दुआ मांगी। इससे पहले शहर की सभी छोटी-बड़ी मस्जिदों में भी निर्धारित समय पर नमाज अदा की गई। नमाज समाप्त होते ही लोग एक-दूसरे से गले मिलते नजर आए और ह्लईद मुबारकह्व की गूंज से पूरा माहौल गूंज उठा। त्योहार के मद्देनजर प्रशासन पूरी तरह मुश्तैद नजर आया। ईदगाह और मस्जिदों के आसपास मजिस्ट्रेट के नेतृत्व में भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई थी। सुरक्षा व्यवस्था इतनी सुदृढ़ थी कि हर चप्पे-चप्पे पर प्रशासन की पैनी नजर बनी रही। अनुमंडल पदाधिकारी राकेश कुमार और एसडीपीओ पोलस्त कुमार के नेतृत्व में पुलिस-प्रशासन की टीम लगातार क्षेत्र में गश्त करती रही और विधि-व्यवस्था का जायजा लेती रही। इस दौरान बीडीओ संदीप कुमार पांडेय एवं थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा भी सक्रिय रूप से विभिन्न मस्जिदों और संवेदनशील स्थानों का निरीक्षण करते देखे गए। अधिकारियों की सक्रियता और तत्परता के कारण कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली, जिससे लोगों ने राहत की सांस ली और प्रशासन की कार्यशैली की सराहना की। डुमरांव के अलावा नया भोजपुर और पुराना भोजपुर क्षेत्रों में भी ईद पूरी तरह शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। नया भोजपुर में थानाध्यक्ष चंदन कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम लगातार गश्त करती रही और सुरक्षा व्यवस्था को बनाए रखा। वहीं, अतिरिक्त सतर्कता के तौर पर पुलिस लाइन से भी अतिरिक्त बल की तैनाती की गई थी। कुल मिलाकर, इस बार की ईद ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि आपसी समझ, सहयोग और प्रशासन की सजगता से हर त्योहार को शांतिपूर्ण और यादगार बनाया जा सकता है।

प्रखंड के विभिन्न ईदगाहों में शांति पूर्ण माहौल मनाई गई ईद पर्व, प्रशासन की रही तैनाती

केटी न्यूज/केसठ

शनिवार को ईद का पर्व प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न ईदगाहों में धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर ईदगाहों और मस्जिदों में नमाज अदा कर अमन-चैन की दुआ मांगी गई। त्योहार को लेकर प्रशासनिक व्यवस्था भी चुस्त-दुरुस्त थी। लोगों ने नमाज अदा करने के बाद ईद की मुबारकबाद दी। एक महीने की इबादत के बाद ईद पर सुबह से ही ईदगाह में रौनक दिखी। इस मौके क्षेत्र के हजारों लोगो ने अमन चैन की दुआएं मांगी गई। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे से गले मिलकर या फिर हाथ मिलाकर ईद की बधाई देते दिखे। बच्चों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा था। ईदगाह परिसर के बाहर मेला का नजारा दिख रहा था। जहां बच्चे आइसक्रीम, गुब्बारा आदि खरीदारी करने में मशगूल दिखे। इस मौके पर उपस्थित मजिस्ट्रेट सद्दाम और नावानगर थाना अध्यक्ष प्रफुल्ल कुमार ने बताया की सभी ईद गाहो में शांति पूर्ण तरीके के पर्व का समापन हुआ।इस दौरान प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में प्रशासन की गश्ती करती नजर आई। मौके पर उपस्थित मुखिया अरविंद कुमार यादव उर्फ गामा पहलवान, अस्लम हुसैन ने मुस्लिम समुदाय के लोगो से गले मिल कर एक दूसरे को ईद का मुबारकबाद दिए।इस दौरान नमाज खत्म होते ही ईदगाह पर मौजूद गरीब एवं असहाय लोगों के बीच इकट्ठा किए गए दान भेंट किया गया।वही क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम करने के लिए नावानगर थानाध्यक्ष पुलिस बल के साथ क्षेत्र में भ्रमण करते रहे।इनके साथ एएसआई विजय कुमार,मनोज चौकीदार,रामजी चौकीदार, के अलावा अन्य जगहों पर पुलिस पदाधिकारी मौजूद रहे।

डुमरांव में आदेश बेअसर : खुले में कटा मांस बिकता रहा, हरकत में आया नगर परिषद

डुमरांव/केटी न्यूज

वासंतिक नवरात्र जैसे धार्मिक अवसरों के मद्देनजर राज्य सरकार द्वारा खुले में कटे मांस की बिक्री पर स्पष्ट प्रतिबंध लगाए जाने के बावजूद डुमरांव में शनिवार को नियमों की खुली अनदेखी देखने को मिली। नगर परिषद क्षेत्र के स्टेशन रोड, चुड़ी बाजार समेत कई प्रमुख इलाकों में खुलेआम कटे मांस की बिक्री जारी रही, जिससे प्रशासनिक निदेशों की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े हो गए। स्थानीय निवासी सह भाजपा नेता विनोद पासवान ने इस गंभीर मामले को उजागर करते हुए खुले में मांस बिक्री की तस्वीरें नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी (ईओ), डुमरांव थाना के साइबर सेनानी समूह तथा अन्य वरीय अधिकारियों को भेजीं। उन्होंने तत्काल कार्रवाई की

मांग करते हुए कहा कि नवरात्र के दौरान शहर का माहौल पूरी तरह भक्तिमय होता है, ऐसे में इस तरह की गतिविधियां न सिर्फ नियमों का उल्लंघन हैं, बल्कि श्रद्धालुओं की आस्था को भी ठेस पहुंचाने वाली हैं।

शिकायत मिलते ही नगर परिषद प्रशासन सक्रिय हुआ। खुद ईओ राहुलधर दूबे मौके पर पहुंचे और विभिन्न मांस विक्रेताओं की दुकानों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने दुकानदारों को स्पष्ट रूप से चेतावनी दी कि खुले में कटे मांस की बिक्री पूरी तरह प्रतिबंधित है और भविष्य में ऐसा दोबारा पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि नियमों का उल्लंघन करने वाले दुकानदारों से जुमार्ना वसूला जाएगा और आवश्यक होने पर अन्य कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी।

हालांकि, यह पहला मौका नहीं है जब इस तरह की स्थिति सामने आई है। इससे पहले भी नगर परिषद द्वारा मांस विक्रेताओं को नोटिस जारी कर खुले में बिक्री पर रोक लगाने का निर्देश दिया जा चुका है। इसके बावजूद बार-बार नियमों की अनदेखी होना प्रशासनिक निगरानी और सख्ती पर सवाल खड़ा करता है।

रामनवमी पर महावीरी झंडा जुलूस की तैयारी तेज, गतिरोध खत्म होते ही जोश दोगुना

■ बैठक के बाद बनी सहमति, शनिवार रात भगवा रंग में रंगेगा पूरा डुमरांव

केटी न्यूज/डुमरांव

रामनवमी के पावन अवसर पर डुमरांव में निकलने वाले पारंपरिक महावीरी झंडा जुलूस को लेकर तैयारियां अब तेज रफ्तार पकड़ चुकी हैं। शुक्रवार और शनिवार की सुबह अनुमंडल प्रशासन की पहल पर हुई अहम बैठक के बाद जुलूस को लेकर चल रहा गतिरोध समाप्त हो गया, जिससे समिति के सदस्यों में नया उत्साह देखने को मिल रहा है।

श्री महावीरी झंडा पूजा समिति के अध्यक्ष विजय कुमार सिन्हा ने

बताया कि प्रशासन के साथ सकारात्मक बातचीत के बाद सभी बाधाएं दूर हो गई हैं और अब पूरी टीम पूरे मनोयोग के साथ आयोजन की तैयारी में जुट गई है। उन्होंने कहा कि शनिवार की रात पूरे शहर को भगवा झंडों से सजाया जाएगा, जिससे डुमरांव का माहौल पूरी तरह धार्मिक रंग में रंग उठेगा।

समिति के संयोजक गुप्तेश्वर प्रसाद उर्फ गुरुजी के नेतृत्व में सभी पदाधिकारी और सदस्य अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए आयोजन को भव्य बनाने में लगे हैं। उपाध्यक्ष अनिल दीपक, सचिव मनोज केशरी और उप सचिव कृष्णा मोहन व नीरज समेत सूचना प्रभारी दया शंकर भी तैयारियों की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। संरक्षक मंडल में शामिल सुमित, विकास, विनोद केशरी और मनोज वर्मा भी लगातार सहयोग कर रहे हैं, जबकि सदस्य राजेश, आशीष राय, ऋतु राज, पिंटू और दीपक समेत अन्य कार्यकर्ता शहर में सजावट और व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने में जुटे हैं।

समिति के पदाधिकारियों के अनुसार इस बार जुलूस को और अधिक आकर्षक व अनुशासित बनाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सुरक्षा और शांति व्यवस्था को लेकर प्रशासन भी सतर्क है, जिससे आयोजन शांतिपूर्ण और सफल तरीके से संपन्न हो सके।

डुमरांव में हर वर्ष निकलने वाला यह महावीरी झंडा जुलूस न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि शहर की एकता और सांस्कृतिक परंपरा को भी मजबूती प्रदान करता है। इस बार भी लोगों में इसे लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है।

सरहुल में झलकी प्रकृति की आस्था, चौसा में परंपरा और पर्यावरण का अनोखा संगम

■ पूजा के साथ पौधारोपण, जल-जंगल-जमीन बचाने का लिया संकल्प

केटी न्यूज/चौसा

चौसा प्रखंड में इस बार आदिवासी समाज का महापर्व सरहुल पूजा सिर्फ एक धार्मिक आयोजन नहीं रहा, बल्कि प्रकृति के प्रति गहरी आस्था और पर्यावरण संरक्षण का सशक्त संदेश बनकर उभरा। स्थानीय पंचायत में आयोजित इस कार्यक्रम ने पारंपरिक संस्कृति और आधुनिक जागरूकता का सुंदर संगम प्रस्तुत किया।

आदिवासी बहरवार पूजा समिति के तत्वावधान में आयोजित इस पर्व में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। पूरे आयोजन में पारंपरिक रीति-रिवाजों की झलक साफ दिखाई दी।

पूजा का संचालन ललन खरवार ने विधि-विधान के साथ संपन्न कराया, जिसमें प्रकृति को साक्षी मानकर जल, जंगल और जमीन की महत्ता को याद किया गया।

सरहुल, जिसे प्रकृति पूजा का पर्व माना जाता है, आदिवासी समाज के जीवन दर्शन को दशार्ता है। इस अवसर पर समाज के लोगों ने पेड़ों, नदियों और धरती को जीवन का आधार मानते हुए उनके संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान वातावरण पूरी तरह से पारंपरिक गीतों और सांस्कृतिक भावनाओं से सराबोर रहा।

इस आयोजन की खास बात यह रही कि पूजा के बाद पर्यावरण संरक्षण को लेकर एक विशेष पहल की गई। उपस्थित लोगों ने सामूहिक रूप से एक पेड़ लगाकर यह संदेश दिया कि सिर्फ पूजा करना ही नहीं, बल्कि प्रकृति को बचाना भी हमारी जिम्मेदारी है।

समिति के अध्यक्ष बिहारी खरवार और प्रखंड अध्यक्ष दीपक खरवार ने कहा कि सरहुल केवल एक पर्व नहीं, बल्कि हमारी पहचान और संस्कृति का प्रतीक है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि बदलते समय में भी आदिवासी समाज अपनी जड़ों से जुड़ा हुआ है और यही इसकी सबसे बड़ी ताकत है।

उन्होंने लोगों से अपील की कि हर व्यक्ति साल में कम से कम एक पेड़ जरूर लगाए, ताकि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और सुरक्षित पर्यावरण मिल सके।

कार्यक्रम के अंत में समाज और देश की उन्नति, शांति और एकजुटता के लिए प्रार्थना की गई। इस दौरान जवाहिर खरवार, अशोक खरवार, छोटक गोंड, बबन खरवार, भरत खरवार, मिथुन खरवार, प्रदीप खरवार, नित्यानंद खरवार, सोनू खरवार समेत दर्जनों लोग उपस्थित रहे।

सरहुल पूजा का यह आयोजन न सिर्फ आस्था का प्रतीक बना, बल्कि यह संदेश भी दे गया कि प्रकृति के बिना जीवन संभव नहीं है और उसकी रक्षा करना हम सभी का कर्तव्य है।

एकौना की मुख्य सड़क पर जलजमाव तीन फीट पानी में कैद जिंदगी

केटी न्यूज/सिमरी

सिमरी प्रखंड के एकौना गांव की मुख्य सड़क पर वर्षों से जमे नाली के गंदे पानी ने अब लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी को ठहराव में डाल दिया है। हालात इतने बदतर हो चुके हैं कि करीब 200 मीटर के दायरे में तीन फीट तक जलजमाव बना हुआ है, जिससे आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया है। सबसे अधिक परेशानी दिव्यांगों, बुजुर्गों और बच्चों को झेलनी पड़ रही है, जिनके लिए घर से बाहर निकलना किसी चुनौती से कम नहीं रह गया है। स्थानीय निवासी एवं दिव्यांग राकेश कुमार राय ने बताया कि यह समस्या नई नहीं, बल्कि वर्षों पुरानी है। ह्लहर दिन इस गंदे पानी से होकर गुजरना हमारी मजबूरी बन गई है। कई बार गिरने का डर बना रहता है, लेकिन प्रशासन की ओर से अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई,ह्व उन्होंने नाराजगी जताते हुए कहा। ग्रामीणों का कहना है कि जलजमाव के कारण न सिर्फ आवागमन बाधित है, बल्कि संक्रमण और बीमारियों का खतरा भी लगातार बढ़ता जा रहा है। ग्रामीणों के अनुसार, मुख्य पथ के किनारे अतिक्रमण और जर्जर नालियों की वजह से पानी की निकासी पूरी तरह ठप है। बरसात के दिनों में स्थिति और भयावह हो जाती है, लेकिन हैरानी की बात यह है कि वर्षों से शिकायतों के बावजूद समस्या जस की तस बनी हुई है। लोगों ने कई बार स्थानीय प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से गुहार लगाई, लेकिन समाधान के नाम पर सिर्फ आश्वासन ही मिला। इसी समस्या को लेकर अब दिव्यांग संघ ने मोर्चा खोल दिया है। संघ के जिलाध्यक्ष अगस्त उपाध्याय और महासचिव विशोका चंद के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने डुमरांव के एसडीएम राकेश कुमार सिंह को ज्ञापन सौंपकर जल्द से जल्द जलनिकासी की व्यवस्था कराने और अतिक्रमण हटाने की मांग की है। जिलाध्यक्ष ने साफ चेतावनी देते हुए कहा कि यदि प्रशासन ने शीघ्र कार्रवाई नहीं की, तो दिव्यांग संघ के सदस्य एकौना मुख्य पथ पर आमरण अनशन करने को बाध्य होंगे। ह्लहमारी मांगें जायज हैं। यह सिर्फ सड़क का सवाल नहीं, बल्कि हमारी गरिमा और जीवन की सुरक्षा का मुद्दा है,ह्व उन्होंने कहा।

गौरतलब है कि एकौना की यह सड़क आसपास के कई गांवों को जोड़ने वाली प्रमुख मार्ग है। ऐसे में यहां जलजमाव की समस्या पूरे इलाके की आवाजाही और स्थानीय अर्थव्यवस्था पर भी असर डाल रही है। अब देखना यह है कि प्रशासन इस गंभीर समस्या को कितनी प्राथमिकता देता है या फिर ग्रामीणों को अपने हक के लिए आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ेगा।

डुमरांव का युवा बना जल संरक्षण का प्रहरी, जलपुत्र अजय राय की मुहिम से बच रहा हजारों लीटर पानी

- **निजी खर्च से नलों में टोटी लगाकर रोकी बबार्दी, नुक्कड़ नाटक से फैला रहे जागरूकता का संदेश**

केटी न्यूज/डुमरांव

जहां एक ओर पानी की बबार्दी आम बात बन चुकी है, वहीं डुमरांव का एक युवा अपने जज्बे और समर्पण से इस समस्या के खिलाफ अकेले ही मोर्चा संभाले हुए है। वार्ड संख्या 35, दक्षिण टोला डुमरेजनी रोड निवासी अजय राय आज पूरे इलाके में जलपुत्र के नाम से जाने जाते हैं। उनका अभियान न केवल जल संरक्षण की दिशा में एक मजबूत पहल है, बल्कि समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत भी बन गया है। अजय राय पिछले कई वर्षों से लगातार जल बचाने के लिए सक्रिय हैं। उन्होंने अपने निजी खर्च से नगर और आसपास के क्षेत्रों में हजारों नलों में टोटी लगवाकर पानी की अनावश्यक बबार्दी को रोका है। अक्सर देखा जाता है कि सार्वजनिक स्थानों पर बिना टोटी के नल लगातार बहते रहते हैं, जिससे प्रतिदिन बड़ी मात्रा में पानी व्यर्थ चला जाता है। अजय ने इसी समस्या को अपना लक्ष्य बनाकर इसे जड़ से खत्म करने का बीड़ा उठाया। उनकी मुहिम केवल तकनीकी सुधार तक सीमित नहीं है। वे जनजागरूकता पर भी विशेष जोर देते हैं। इसके लिए वे चौक-चौराहों, स्कूलों, कोचिंग संस्थानों और गांवों में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को जल संरक्षण का महत्व समझाते हैं। खासकर बच्चों और युवाओं को वे यह सिखाते हैं कि छोटी-छोटी आदतों में बदलाव कर हम बड़े स्तर पर पानी बचा सकते हैं। अजय का समर्पण इस कदर है कि देर रात भी यदि कहीं पानी की बबार्दी की सूचना मिलती है, तो वे तुरंत मौके पर पहुंचकर उसे ठीक करने में जुट जाते हैं। उनका यह जुनून उन्हें आम लोगों से अलग पहचान दिलाता है और यही कारण है कि लोग उन्हें सम्मानपूर्वक जलपुत्र कहकर पुकारते हैं।

उनके उत्कृष्ट कार्यों को कई मंचों पर सराहा भी गया है। गणतंत्र दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन द्वारा उन्हें सम्मानित किया जा चुका है, वहीं भारत सरकार ने भी उन्हें गणतंत्र दिवस परेड में विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया था। नगर परिषद ने उनके योगदान को मान्यता देते हुए राजगढ़ चौक पर उनका शिलापट्ट स्थापित कराया है। अजय राय का कहना है कि जल संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक का कर्तव्य है। उनका मानना है कि यदि हर व्यक्ति अपने स्तर पर थोड़ा-सा प्रयास करे, तो पानी की समस्या को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है।

बिहार में लू से निपटने की तैयारी : अस्पतालों में डेडिकेटेड वार्ड, 24 घंटे डॉक्टर-स्टाफ ड्यूटी

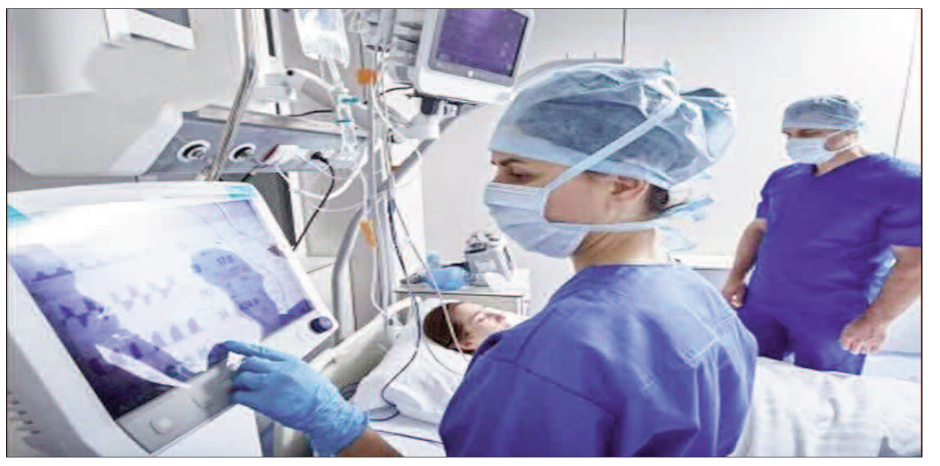

एजेंसी। पटना

बिहार में लू से बचाव के लिए अस्पतालों को डेडिकेटेड वार्ड और पर्याप्त बेड की व्यवस्था करने के साथ ही दवाइयों की उपलब्धता और मरीज निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश जारी कर दिए गए हैं. बिहार स्वास्थ्य विभाग ने राज्य के सभी अस्पतालों को भीषण गर्मी और लू से बचाव की तैयारी पूरी करने का निर्देश दिया है। गर्मी की आहट के साथ ही विभाग ने अस्पतालों में लू प्रभावित मरीजों के लिए डेडिकेटेड वार्ड और पर्याप्त संख्या में बेड की व्यवस्था करने को कहा है।स्वास्थ्य सचिव लोकेश कुमार ने सभी सिविल सर्जनों, मेडिकल कॉलेज अस्पताल के अधीक्षकों और सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के निदेशकों को पत्र भेजकर यह निर्देश दिया। डेडिकेटेड वार्ड में 24 घंटे डॉक्टर और पैरामेडिकल स्टाफ की रोस्टर ड्यूटी सुनिश्चित करने को कहा गया है।सिविल सर्जनों को अपने स्तर पर सभी एंबुलेंस की एयर कंडीशनिंग, आक्सीजन और आवश्यक उपकरणों की कार्यशीलता की समीक्षा करने के निर्देश दिए गए हैं। स्वास्थ्य सचिव ने चेतावनी दी है कि मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार इस वर्ष अधिक गर्मी पड़ने की संभावना है, इसलिए लू से उत्पन्न गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से लोगों को बचाने की तैयारी सुनिश्चित करें। विशेष रूप से छोटे बच्चे, स्कूली बच्चे, बुजुर्ग, गर्भवती महिलाएं और दूध पिलाने वाली माताओं, साथ ही घर से बाहर काम करने वाले व्यक्तियों को लू के कारण स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का अधिक जोखिम रहता है। इसके मद्देनजर सभी जिला अस्पताल, अनुमंडलीय अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, रेफरल अस्पताल, हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर और स्वास्थ्य उपकेंद्रों में समन्वय कर विशेष योजना तैयार करने को कहा गया है। सभी सरकारी अस्पतालों में दस्त, उल्टी, चर्मरोग, नेत्र विकार और लू से संबंधित आवश्यक दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। लू पीड़ित मरीजों की निगरानी के लिए हीट रेट, श्वसन दर, ब्लड प्रेशर और मानसिक स्थिति की लगातार जांच करने की व्यवस्था भी करनी होगी। साथ ही सामान्य वार्ड में एसी, कूलर और पंखे की कार्यशीलता बनाए रखने का भी निर्देश दिया गया है।

गंभीर परेशानियों से बचाने के लिए तैयारी सुनिश्चित करने के आदेश

इसमें सिविल सर्जन को अपने स्तर से सभी एंबुलेंसों में एयर कंडीशन की क्रियाशीलता, आक्सीजन एवं आवश्यक उपकरणों की व्यवस्था की समीक्षा करने को कहा गया है। स्वास्थ्य सचिव ने निर्देश में कहा है कि मौसम विभाग के पूवार्नुमान के अनुसार इस वर्ष अधिक गर्मी पड़ने की आशंका है। ऐसे में लू से पैदा होनेवाली गंभीर परेशानियों से लोगों को बचाने की तैयारी सुनिश्चित कर लें।

बच्चों-बुजुर्गों और गर्भवती महिलाओं को काफी समस्याएं

खासकर छोटे बच्चों, स्कूली बच्चों, बुजुर्ग और गर्भवती के साथ दूध पिलानेवाली माताओं के अलावा विभिन्न कार्य के लिए घर से बाहर निकलने वाले व्यक्तियों को स्वास्थ्य संबंधी काफी समस्याएं होती है। इसको लेकर सभी जिला अस्पताल, अनुमंडलीय अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, रेफरल अस्पताल, हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर और स्वास्थ्य उपकेंद्रों में में समुचित इलाज के लिए जिला प्रशासन से समन्वय कर विशेष योजना तैयार कर ली जाए। सभी सरकारी अस्पतालों में दस्त व उल्टी, चर्मरोग, नेत्र विकार, और लू से संबंधित सभी प्रकार की आवश्यक दवाओं की पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता सुनिश्चित कर ली जाए। लू पीड़ित मरीजों की लगातार निगरानी को लेकर हीट रेट, श्वसन दर, ब्लड प्रेशर और मेंटल स्टेटस की लगातार निगरानी करने की व्यवस्था की जाए। सभी अस्पतालों के सामान्य वार्ड में एसी, कूलर, पंखा की क्रियाशीलता में रखने का भी निर्देश दिया गया है।

बिहार का गोल्डन बॉय! पीयूष राज ने 400 मीटर में जीता स्वर्ण, हुआ वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए चयन

एजेंसी। पटना

बिहार के लिए एक ऐतिहासिक और गौरवशाली क्षण आया है। राज्य के होनहार युवा एथलीट पीयूष राज ने केरल के त्रिवेंद्रम में आयोजित ऑल इंडिया ओपन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 400 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीतकर बिहार का नाम पूरे देश में रोशन किया है। पीयूष राज ने यह दूरी मात्र 47.1 सेकंड में पूरी कर यह उत्कृष्ट उपलब्धि हासिल की।यह उपलब्धि इसलिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि महान धावक शिवनाथ सिंह के बाद पीयूष राज बिहार के पहले एथलीट हैं, जिन्होंने अंडर-20 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए अपनी जगह पक्की की है। यह बिहार की खेल प्रतिभा के लिए एक नई उड़ान का प्रतीक है।भारतीय एथलेटिक्स के मुख्य कोच राधाकृष्णन ने स्वयं खेल मंत्री को फोन कर इस उपलब्धि की जानकारी दी और बताया कि पीयूष राज को 400 मीटर दौड़ के लिए एशिया कप और विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप दोनों प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए भारतीय टीम में चुना गया है। यह चयन बिहार के खेल इतिहास में एक मील का पत्थर माना जा रहा है।पिछले तीन वर्षों से पीयूष राज हैदराबाद में बिहार सरकार के मार्गदर्शन और सहयोग से प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे थे। उनकी कड़ी मेहनत, समर्पण और अनुशासन आज इस स्वर्णिम सफलता के रूप में सामने आया है। खेल मंत्री श्रेयसी सिंह ने पीयूष राज को बधाई देते हुए कहा, 'पीयूष राज की यह उपलब्धि केवल उनकी व्यक्तिगत जीत नहीं, बल्कि पूरे बिहार की जीत है। स्वर्गीय शिवनाथ सिंह जी के बाद बिहार से किसी एथलीट का अंडर-20 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए चयन होना हमारे लिए अत्यंत गर्व और हर्ष का विषय है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार सरकार राज्य के खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय प्रशिक्षण और सुविधाएं देने के लिए प्रतिबद्ध है और पीयूष राज इसी नीति का जीता-जागता प्रमाण हैं। हम

धोखा : पति के दोस्त के प्यार में पागल हुई पत्नी, मंदिर में पति ने करा दी शादी

- **पति बोला..दोस्त के प्रेम जाल में फंस पत्नी ने उठाया कदम**

केटी न्यूज/रोहतास

पूर्व दशक पहले प्रेम से जुड़ा एक काफी प्रचलित गाना हुआ करता था। जिसके बोल थे..अच्छा सिला दिया तूने मेरे प्यार का..यार ने ही लुट लिया घर यार का! कुछ इसी तरह का प्यार का फसाना रोहतास जिले के दिनारा थाना क्षेत्र से सामने आई है। जंहा एक जिगरी दोस्त की पत्नी से पागलपन वाला प्यार परवान चढ़ गया। जो प्रेम प्रसंग से जुड़ा मामला पंचायत दिनारा से हैरान करने वाला सामने आते ही पूरे प्रखंड में चर्चा का विषय बन गया। जहां एक युवक ने अपने ही जिगरी दोस्त की पत्नी से प्रेम संबंध के बाद पंचायत के फैसले पर दिनारा के एक मंदिर में शादी रचा ली। इस घटना ने रिश्तों और सामाजिक मयार्दाओं को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। जानकारी के अनुसार, करमैनी गांव

निवासी धर्मेंद्र कुमार अपनी पत्नी मंजू देवी के साथ दिल्ली में रहता था। वहीं उसका जिगरी दोस्त लव कुमार,जो पास के ही गांव सराव रहने वाला है, जो युवक उनके संपर्क में था। इसी दौरान दिल्ली में लव कुमार और मंजू देवी के बीच बातचीत शुरू हुई,जो धीरे-धीरे प्रेम संबंध में बदल गई। कुछ समय पहले धर्मेंद्र कुमार काम के सिलसिले में गुजरात चला गया। जिसके बाद मंजू देवी अपने मायके में रहने लगी। इसी दौरान लव कुमार दिल्ली से लौटा तो उससे मिलने गांव पहुंचने लगा। दोनों के बीच प्यार की नजदीकियां बढ़ती गईं और मामला सामने आने पर विवाद खड़ा हो गया। जो विगत 19 मार्च गुरुवार की रात जब लव कुमार मंजू देवी से मिलने उसके घर पहुंचा,तब परिजनों ने दोनों को आपत्तिजनक स्थिति में पकड़ लिया। इसके बाद हंगामा हुआ और युवक की पिटाई कर दी गई। मामला बढ़ने पर गांव में पंचायत बुलाई गई। पंचायत में दोनों ने एक-दूसरे के साथ रहने की इच्छा जताई। इसके बाद सरपंच प्रतिनिधि सोनू कुशवाहा की मौजूदगी में पंचायत ने फैसला लिया कि दोनों की शादी करा दी जाए। आज शुक्रवार की सुबह करीब 11 बजे दिनारा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के पास स्थित हनुमान मंदिर में दोनों की शादी कराई गई। मंदिर में देवी-देवताओं को साक्षी मानकर लव कुमार और मंजू देवी ने एक-दूसरे को वरमाला पहनाई और विवाह की रस्म पूरी की। सबसे चौंकाने वाली खास बात यह रही कि इस शादी के दौरान महिला का पहला पति धर्मेंद्र कुमार भी मौजूद रहा। बताया जा रहा है कि उसने खुद दोनों का हाथ पकड़कर शादी के लिए आगे बढ़ाया। मंजू देवी का एक पांच साल का बेटा भी है, जो अब अपनी मां के साथ रह रहा है। यह घटना पूरे इलाके में चर्चा का विषय बनी हुई है।

एक नजर

खेत किनारे छिपाई गई अवैध शराब बरामद

डुमरांव। कोरान सराय थाना क्षेत्र में अवैध शराब के खिलाफ पुलिस ने एक बार फिर सख्ती दिखाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। शनिवार की सुबह गुप्त सूचना मिलने पर पुलिस टीम ने मठिला गांव से कनझरूआं जाने वाले मार्ग पर छापेमारी अभियान चलाया। इस दौरान खेत के पास पुआल के नीचे छुपाकर रखी गई करीब 40 लीटर देशी शराब बरामद की गई। पुलिस के पहुंचते ही तस्कर मौके से फरार हो गया, जिसके कारण उसकी गिरफ्तारी नहीं हो सकी। हालांकि, बरामदगी के बाद पुलिस ने आसपास के इलाके में तलाशी अभियान भी चलाया, लेकिन कोई संदिग्ध हाथ नहीं लगा। मामले में अज्ञात तस्कर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। थानाध्यक्ष माधुरी कुमारी ने बताया कि शराब को बेहद सुनियोजित तरीके से पुआल के नीचे छिपाकर रखा गया था, ताकि पुलिस और स्थानीय लोगों की नजर से बचा जा सके। उन्होंने कहा कि यह संकेत देता है कि क्षेत्र में शराब तस्करी का नेटवर्क सक्रिय है, जिसे खत्म करने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, तस्करों की पहचान के लिए आसपास के गांवों में पूछताछ की जा रही है और संभावित ठिकानों पर नजर रखी जा रही है। साथ ही, सूचना तंत्र को और मजबूत किया जा रहा है, ताकि भविष्य में इस तरह की गतिविधियों पर समय रहते रोक लगाई जा सके। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध शराब के कारोबार में शामिल लोगों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। इलाके में लगातार छापेमारी और निगरानी बढ़ा दी गई है, जिससे इस अवैध धंधे पर पूरी तरह से अंकुश लगाया जा सके।

समस्तीपुर में हेरोइन तस्कर गिरोह का पदार्फाश, महिला समेत दो गिरफ्तार

समस्तीपुर। समस्तीपुर में पुलिस और नारकोटिक्स टीम की संयुक्त कार्रवाई में हेरोइन तस्करी गिरोह का खुलासा हुआ। पटोरी रेलवे स्टेशन के पास छापेमारी में महिला समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार कर करीब 6 लाख की हेरोइन बरामद की गई। समस्तीपुर जिले में पुलिस और नारकोटिक्स सेल की संयुक्त कार्रवाई में मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले एक बड़े गिरोह का पदार्फाश हुआ है। पटोरी रेलवे स्टेशन के पास की गई इस छापेमारी में पुलिस ने एक महिला और एक पुरुष को गिरफ्तार किया है, जिनके पास से लगभग 06 लाख रुपये मूल्य की हेरोइन बरामद की गई है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 21 मार्च 2026 की सुबह सूचना मिली थी कि मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले गिरोह के सदस्य हेरोइन की खेप लेकर शाहपुर पटोरी स्टेशन उतरने वाले हैं। इस सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी और पटोरी पुलिस की एक विशेष टीम गठित की गई। स्टेशन के बाहर संदिग्ध अवस्था में घूम रहे एक युवक और महिला को पुलिस ने घेराबंदी कर पकड़ा। गिरफ्तार अभियुक्त और बरामदगीः पकड़े गए आरोपियों की पहचान राहुल कुमार (26 वर्ष, वैशाली) और शांति देवी (असम) के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान इनके पास से साबूदाने के चार डिब्बों में छिपाकर रखा गया नारंगी और सफेद रंग का पाउडर बरामद हुआ, जिसे स्थानीय भाषा में 'कोटा' (हेरोइन) कहा जाता है। पुलिस ने इनके पास से दो मोबाइल फोन, नकदी, रेलवे टिकट और पहचान पत्र भी जब्त किए हैं।पूर्वोत्तर राज्यों से जुड़ा नेटवर्कः पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे पूर्वोत्तर राज्यों से मादक पदार्थों की तस्करी कर बिहार लाते थे। पुलिस अब इस गिरोह के अन्य सदस्यों और इनके आपराधिक इतिहास खंगालने में जुटी है। पटोरी थाना में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है।

बिहार पुलिस की बड़ी कार्रवाई, लूट की बाइक और अवैध हथियारों के साथ 3 शातिर अपराधी गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में पुलिस को अपराध नियंत्रण के अभियान में बड़ी सफलता हाथ लगी है। जैतपुर थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से अवैध हथियार, कारतूस और लूट के कई सामान बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार अपराधियों की पहचान प्रिंस कुमार (सरैया थाना क्षेत्र), अमरजीत कुमार और अंकित कुमार (दोनों करजा थाना क्षेत्र निवासी) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, तीनों लंबे समय से आपराधिक गतिविधियों में सक्रिय थे और कई वारदातों में शामिल रहे हैं।

गुप्त सूचना पर पुलिस ने किया एक्शन : पुलिस को 20 मार्च 2026 की शाम गुप्त सूचना मिली थी कि विशंभरपुर चौक के पास कुछ संदिग्ध लोग किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में हैं। सूचना मिलते ही जैतपुर थाना की टीम सक्रिय हो गई और इलाके में घेराबंदी कर दी गई। जैसे ही मोटरसाइकिल सवार तीन युवक वहां पहुंचे, पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उनके पास से एक देशी पिस्टल, दो जिंदा कारतूस और एक चाकू बरामद किया गया।

छापेमारी में मिला लूट का बड़ा जखीरा : गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने जब प्रिंस कुमार से सख्ती से पूछताछ की, तो उसने कई अहम खुलासे किए। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने उसके किराए के मकान में छापेमारी की, जहां से लूट के सामानों का बड़ा जखीरा बरामद हुआ। बरामद सामानों में तुर्की थाना क्षेत्र से लूटी गई अपाचे मोटरसाइकिल, पारू थाना क्षेत्र से लूटे गए रेनकोट, करीब 180 एलईडी बल्ब, 180 स्क्रैच कूपन, बर्तन की रसीद, 17,400 रुपये नकद, चार मोबाइल फोन और दो ब्लैक नंबर प्लेट शामिल हैं। इतनी बड़ी मात्रा में सामान मिलने से साफ है कि गिरोह काफी संगठित तरीके से अपराध कर रहा था।

रेकी के लिए अपनाते थे अनोखा तरीका : पूछताछ में पुलिस को एक चौंकाने वाला खुलासा भी मिला है। यह गिरोह लूट की वारदात को अंजाम देने से पहले इलाके की रेकी करने के लिए एलईडी बल्ब और स्क्रैच कूपन बेचने का नाटक करता था। इस बहाने वे घर-घर जाकर लोगों की गतिविधियों, आर्थिक स्थिति और इलाके की जानकारी जुटाते थे। इसके बाद मौका मिलते ही लूट, छिनतई या डकैती जैसी घटनाओं को अंजाम देते थे।

बिहार में गाड़ियों की फिटनेस टेस्ट पर सख्ती, एटीएस केंद्रों पर कैमरे की निगरानी में होगी जांच

एजेंसी। पटना

बिहार में वाहनों की फिटनेस जांच को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने के लिए परिवहन विभाग ने सख्त कदम उठाया है। अब ऑटोमेटिक टेस्टिंग सेंटर (एटीएस) पर होने वाली हर जांच कैमरे की निगरानी में की जाएगी। यह फैसला जगतपुर स्थित एटीएस में गड़बड़ी की शिकायतों और मंत्रालय से मिली जांच रिपोर्ट के बाद लिया गया है। मुख्यालय के निर्देश पर भागलपुर के जिला परिवहन पदाधिकारी जनार्दन कुमार ने तीन सदस्यीय निगरानी टीम का गठन किया है। इस टीम में एमवीआई राजीव रंजन, कुणाल कश्यप और डाटा ऑपरेटर पंकज कुमार शामिल हैं। टीम का काम फिटनेस जांच प्रक्रिया पर नजर रखना और किसी भी तरह की

गड़बड़ी को रोकना होगा। नई व्यवस्था के तहत फिटनेस जांच के दौरान हर गतिविधि कैमरे में रिकॉर्ड की जाएगी। इन रिकॉर्डिंग्स को डीवीडी या डिजिटल फॉर्म में कम से कम छह महीने तक सुरक्षित रखा जाएगा, ताकि भविष्य में किसी विवाद या शिकायत की स्थिति में प्रमाण उपलब्ध हो सके।इसके अलावा, अब एक वाहन की फिटनेस जांच अधिकतम 15 मिनट में पूरी करनी होगी। इससे प्रक्रिया तेज होगी और लोगों को लंबे इंतजार से राहत मिलेगी। यदि कोई कर्मचारी जानबूझकर देरी करता है, तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। जांच के दौरान वाहन का रजिस्ट्रेशन नंबर, चेसिस नंबर, फोटो और अन्य तकनीकी जानकारी दर्ज करना अनिवार्य होगा। साथ ही वाहन की चारों ओर से तस्वीरें ली जाएंगी, जिससे पूरी प्रक्रिया पारदर्शी बनी रहे। जिला परिवहन पदाधिकारी ने स्पष्ट किया है कि फिटनेस सर्टिफिकेट जारी करने में किसी भी तरह का दबाव, सिफारिश या अवैध लेन-देन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अगर ऐसा पाया गया, तो संबंधित कर्मियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। निगरानी टीम को हर सप्ताह अपनी रिपोर्ट देनी होगी, जिससे अधिकारियों को लगातार अपडेट मिलता रहेगा और समय पर आवश्यक कदम उठाए जा सकेंगे। इस नई व्यवस्था से उम्मीद है कि फिटनेस जांच में पारदर्शिता बढ़ेगी और अनियमितताओं पर अंकुश लगेगा।

साइबर ठगी गैंग का भंडाफोड़, एक गिरफ्तार

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर पुलिस ने साइबर अपराध के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक सक्रिय ठगी गिरोह का पदार्फाश किया है। इस कार्रवाई में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है, जबकि अन्य फरार अपराधियों की तलाश में छापेमारी जारी है। पुलिस के अनुसार यह गिरोह फर्जी तरीके से बैंक खातों का इस्तेमाल कर लाखों रुपये की ठगी कर रहा था। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक, 20 मार्च को साइबर थाने को मिली सूचना के आधार पर जांच शुरू की गई। जांच में उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक के चार खातों में संदिग्ध लेन-देन का मामला सामने आया, जिनसे बिहार सहित अन्य राज्यों में साइबर ठगी की शिकायतें जुड़ी थीं। गहन जांच के बाद पता चला कि ये सभी खाते बक्सर जिले के सोवा गांव के अलग-अलग खाताधारकों के नाम

पर संचालित हो रहे थे और इनसे लाखों रुपये की निकासी की गई थी।इस मामले में साइबर थाना कांड संख्या 16/26 को दर्ज कर विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के सोवा गांव निवासी रंजीत कुमार को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर साइबर फ्रॉड को अंजाम देने की बात कबूल की है। पुलिस ने आरोपी के पास से मोबाइल, क्यूआर कोड मशीन, बायोमेट्रिक फिंगरप्रिंट मशीन, डेबिट कार्ड, चेक समेत कई डिजिटल उपकरण बरामद किए हैं। बरामद सामान से स्पष्ट है कि गिरोह संगठित तरीके से लोगों को ठगी का शिकार बना रहा था। वहीं, इस गिरोह से जुड़े अन्य आरोपी नारायण सिंह उर्फ अनंत राज के संभावित ठिकानों पर भी छापेमारी की गई, लेकिन वह फरार मिला। पुलिस ने बताया कि फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी जारी है।

खुदा हम सब पर अपनी रहमतों की करें बारिश : मुख्यमंत्री नीतीश कुमार

एजेंसी। पटना

आज देश के साथ-साथ पूरे बिहार में भी ईद मनाई जा रही है। पटना के गांधी मैदान समेत कई जगहों पर ईद की नमाज अदा की गई। सीएम नीतीश कुमार 20 साल में पहली बार यहां नहीं पहुंचे लेकिन वह फुलवारशरीफ स्थित खानकाह मुजीबिया पहुंचे और सबको ईद की मुबारकबाद दी।बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ईद के मौके पर शनिवार को फुलवारी शरीफ स्थित प्रसिद्ध खानकाह मुजीबिया पहुंचे। वहां उन्होंने खानकाह के सज्जादा नशीं हजरत मौलाना सैयद शाह आयतुल्लाह कादरी से मुलाकात कर उन्हें ईद की मुबारकबाद दी। मुख्यमंत्री के खानकाह पहुंचने पर प्रबंधक मौलाना मिन्हाजुद्दीन कादरी मुजीबी और नगर सभापति मो. आफताब आलम ने उन्हें टोपी और गमछा पहनाकर गर्मजोशी से स्वागत किया। इसके बाद मुख्यमंत्री सज्जादा नशीं के हुजरे में पहुंचे और उनसे लगभग 10 मिनट तक मुलाकात की।मुख्यमंत्री लगभग 10 मिनट तक खानकाह परिसर में रहे। इस दौरान उन्होंने वहां मौजूद लोगों का अभिवादन किया और हाथ हिलाकर ईद की मुबारकबाद दी। सड़क किनारे खड़े लोगों ने भी मुख्यमंत्री की एक झलक पाने के लिए उत्साह दिखाया। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर खानकाह एवं आसपास के इलाकों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे।

सीएम नीतीश ने ईद को लेकर कहा

वहीं सीएम नीतीश कुमार ने कहाकि ईद के मौके पर प्रदेश एवं देशवासियों को तथा विशेषकर मुस्लिम भाई-बहनों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं। खुदा इस मुबारक दिन पर हम सब पर अपनी रहमतों की बारिश करें और राज्य में सुख, शांति एवं समृद्धि आए।

लोगों ने सीएम के समर्थन में लगाए नारे

खानकाह के पास मौजूद लोगों ने मुख्यमंत्री के समर्थन में नारे भी लगाए। लोग सीएम नीतीश कुमार बिहार छोड़कर राज्यसभा नहीं जाने की अपील कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने सभी का हाथ जोड़कर अभिवादन किया और आगे बढ़ गए। खानकाह प्रबंधन समिति के सदस्यों ने उन्हें फूलों का गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री के फुलवारी शरीफ पहुंचने की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उन्हें देखने के लिए एकत्र हो गए। वहीं मुख्यमंत्री के साथ कई मंत्री मौजूद थे, जबकि पूर्व मंत्री एवं स्थानीय विधायक श्याम रजक भी कार्यक्रम में शामिल रहे। कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी त्यागराजन, एसएसपी कार्तिकेय शर्मा, एसडीएम गौरव कुमार, बीडीओ, सीओ, एसडीपीओ सुशील कुमार तथा थाना अध्यक्ष सहित कई प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

बिहार दिवस पर सजेगा गांधी मैदान और सांस्कृतिक मंच सुरक्षा के लिए तैनात रहेंगे 128 सीसीटीवी और 94 मजिस्ट्रेट

एजेंसी। पटना

बिहार दिवस पर गांधी मैदान में होने वाले भव्य समारोह में भारी भीड़ उमड़ने की आशंका को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण, यातायात प्रबंधन की पुख्ता तैयारी की है। शुक्रवार को डीएम डॉ. त्यागराजन एसएम व एसएसपी कार्तिकेय के शर्मा ने बताया कि गांधी मैदान और आसपास 56 जगहें चिह्नित कर वहां दो पालियों में 94 दंडाधिकारियों को तैनात किया गया है। इनके साथ पर्याप्त संख्या में पुलिस अधिकारी, जवान, महिला व लाठीबल के साथ अन्य पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। गांधी मैदान स्थित प्रशासनिक भवन सह नियंत्रण कक्ष में 13 मजिस्ट्रेट रहेंगे। अधिकारी द्वय ने कहा कि सुरक्षा, भीड़ प्रबंधन व यातायात व्यवस्था में कोई लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। तीन दिवसीय इस आयोजन में हर दिन हजारों लोग आएंगे। इसमें महिलाओं, बच्चों व बुजुर्गों की बड़ी संख्या रहेगी। सभी को सुरक्षित व व्यवस्थित माहौल मिले और किसी भी आकस्मिक स्थिति से तुरंत निपटा जा सके इसलिए हर विभाग को स्पष्ट जिम्मेदारी देकर बहुस्तरीय-समन्वित व्यवस्था की गई है। समारोह के दौरान 128 सीसीटीवी कैमरों से मैदान व आसपास के क्षेत्र की निगरानी की जाएगी। डीएम-एसएसपी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि लोगों की आवाजाही सुचारू रहे इसके लिए सभी निकास मार्ग हरस्थिति में अवरोधमुक्त रहें। कार्यक्रम समाप्ति के समय विशेष सतर्कता बरतने को कहा गया है। विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए दो पैदल गश्ती दल लगातार पेट्रोलिंग करते रहेंगे। गांधी मैदान के चारो सेक्टर के अलावा श्रीकृष्ण मेमोरियल व रविन्द्र भवन में प्राथमिक उपचार, जीवनरक्षक दवाओं, डॉक्टरों व पैरा मेडिकल स्टाफ के साथ एंबुलेंस तैनात रहेंगी। मैदान में अस्थायी अस्पताल बनाने के साथ पीएमसीएच, आइजीआइएमएस व कुर्जी अस्पताल की इमरजेंसी सतर्क रखने को कहा गया है।

सोना महापात्रा व शान समेत कई नामचीन कलाकार जमाएंगे रंग

22 से 24 मार्च तक उन्नत बिहार, उज्जवल बिहार थीम पर चलने वाले बिहार दिवस समारोह में एक ओर लोग विकास योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे तो दूसरी ओर कला-संस्कृति, लोकगीत व पारंपरिक खानपान की व्यवस्था होगी। गांधी मैदान, श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल व रविन्द्र भवन में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। 22 को गांधी मैदान में बॉलीवुड गायिका सोना महापात्रा का गायन, श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में पंडित जगत नारायण पाठक का ध्रुपद गायन, रमिंदर खुराना का ओडिसी नृत्य, प्राची पल्लवी साहू का समकालीन नृत्य प्रस्तुत किया जाएगा। रविन्द्र भवन में कमलेश कुमार सिंह लोकगीत व भिखारी ठाकुर की कालजयी रचना गबरघिचोर की नाट्य प्रस्तुति होगी। 23 को गांधी मैदान में पार्श्व गायक शान, श्री कृष्ण मेमोरियल हाल में सुदीपा घोष की बुद्धचरित पर आधारित नृत्य नाटिका तो रविन्द्र भवन में सुरेंद्र शर्मा व उनकी टीम हास्य कवि सम्मेलन व वैजयंती नाटक प्रस्तुत करेगी।

एक नजर

पीपा पुल से गंगा में गिरा ईंट लदा तेज रफ्तार ट्रैक्टर, हादसे में ड्राइवर की मौत

वैशाली। वैशाली के बिदुपुर में पीपा पुल से ईंट लदा ट्रैक्टर गंगा नदी में जा गिरा. इस हादसे में ट्रैक्टर चालक की मौत हो गई. दुर्घटना के बाद मौके पर राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया गया है. वैशाली जिले से इस वक्त की बड़ी खबर सामने आई है, जहां बिदुपुर थाना क्षेत्र के जिमदारी घाट पीपा पुल पर एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। ईंट से लदा ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर गंगा नदी में जा गिरा। जानकारी के अनुसार, ट्रैक्टर चकौसन बाजार से राघोपुर दियारा की ओर जा रहा था। पीपा पुल के एप्रोच रोड से उतरते समय चालक ने सामने आ रहे मोटरसाइकिल सवार को बचाने की कोशिश की, लेकिन इसी दौरान ट्रैक्टर का संतुलन बिगड़ गया और वह सीधे गंगा नदी में जा गिरा। बताया जा रहा है कि ट्रैक्टर पर इइउ चिमनी की ईंटें लदी हुई थीं, जिससे वाहन का वजन अधिक था और हादसा और भी गंभीर हो गया। स्थानीय लोगों के मुताबिक, पीपा पुल का एप्रोच रोड करीब 15 फीट ऊंचा और काफी खतरनाक है। लोगों ने निर्माण कंपनी पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि यहां पहले भी कई हादसे हो चुके हैं। घटना की सूचना मिलते ही बिदुपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू कराया। ट्रैक्टर चालक का शव इंजन के नीचे फंसा हुआ है, जिसे निकालने में स्थानीय गोताखोरों को काफी दिक्कत हो रही है।

सहरसा में 3 पुलिसकर्मी सस्पेंड, निर्दोषों को फंसाने और एफआईआर में हेरफेर का आरोप

सहरसा। सहरसा में 3 पुलिस कर्मियों पर बड़ी कार्रवाई की गयी है। इनके ऊपर आरोप था कि ये वर्दी का धौंस दिखाकर निर्दोष लोगों को गलत तरीके से केस में फंसाने का काम कर रहे थे। आरोपी सही पाये जाने के बाद डीआईजी के आदेश पर तीनों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। दरअसल कोशी क्षेत्र के पुलिस उप-महानिरीक्षक के निर्देश पर कनरिया थाना से जुड़े तीन पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। यह कार्रवाई जनता दरबार में प्राप्त शिकायत के आधार पर की गई है, जिसमें गंभीर अनियमितता और साजिश के तहत कार्रवाई का आरोप लगाया गया था। मिली जानकारी के अनुसार, कोशी क्षेत्र, सहरसा के पुलिस उप-महानिरीक्षक द्वारा आयोजित जनता दरबार में एक आवेदन प्राप्त हुआ था। इस आवेदन पर संज्ञान लेते हुए मामले की जांच कराई गई। जांच के दौरान यह सामने आया कि कनरिया थाना कांड संख्या 13/2026 में कुछ पुलिसकर्मियों द्वारा मिलीभगत कर प्राथमिकी में फेरबदल किया गया और निर्दोष लोगों को गलत तरीके से फंसाने का प्रयास किया गया। जांच में प्रथम द्रष्टया आरोप सही पाए जाने के बाद संबंधित पुलिस पदाधिकारियों और कर्मियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई। निलंबित किए गए कर्मियों में पु0अनि0 अनिल प्रसाद, चौकीदार अनिल कुमार और चौकीदार दर्शन शामिल हैं, जो कनरिया थाना में पदस्थापित थे। सभी को तत्काल प्रभाव से निलंबित करते हुए पुलिस केंद्र, सहरसा में स्थानांतरित कर दिया गया है। साथ ही उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू करने के निर्देश भी जारी किए गए हैं। इस कार्रवाई के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। अधिकारियों ने स्पष्ट कर दिया है कि कर्तव्यों के निर्वहन में किसी भी प्रकार की लापरवाही या कदाचार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

बिहार में बड़ी वारदात : लूटपाट के दौरान चाकू मारकर युवक की हत्या, पुलिस ने 5 आरोपियों को पकड़ा

एजेंसी। पटना

बिहार की राजधानी पटना से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां लूटपाट की एक वारदात ने कुछ ही घंटों में हत्या का रूप ले लिया। रामकृष्णानगर थाना क्षेत्र में हुई इस घटना ने पूरे इलाके में दहशत फैला दी है। हालांकि पुलिस ने तेजी और मुस्तैदी दिखाते हुए महज 12 घंटे के भीतर पूरे मामले का खुलासा कर दिया और घटना में शामिल पांचों अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार, 20 मार्च 2026 की रात सोरंगपुर मंदिर के पास स्थित एक गली में पांच अपराधियों ने तीन लोगों को निशाना बनाया। बताया जा रहा है कि सभी युवक अपने काम से लौट रहे थे, तभी घात लगाए बैठे बदमाशों ने अचानक उन पर हमला कर दिया। इस दौरान एक युवक के सीने में चाकू मार दिया गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं, उसके साथ मौजूद दो अन्य लोगों के साथ मारपीट कर उनसे मोबाइल और नकदी लूट ली गई। घटना के बाद घायल युवक की पहचान शब्बू कुमार उर्फ शहिल कुमार के रूप में हुई। स्थानीय लोगों की मदद से उसे तुरंत इलाज के लिए पटना के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों की निगरानी में उसका इलाज चल रहा था। लेकिन गंभीर चोट के कारण 21 मार्च को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई, जिससे यह मामला और अधिक गंभीर हो गया और पुलिस ने इसे हत्या के रूप में दर्ज कर लिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। वरीय अधिकारियों के निर्देश पर सदर-02 के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने तेजी से कार्रवाई करते हुए तकनीकी साक्ष्यों, सीसीटीवी फुटेज और स्थानीय सूचना के आधार पर छापेमारी शुरू की। पुलिस की सक्रियता का ही नतीजा रहा कि महज 12 घंटे के भीतर सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार अपराधियों में सौरभ सिंह, विशाल कुमार, लकी कुमार और संतोष कुमार शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, इनमें से कुछ का पहले से आपराधिक रिकॉर्ड भी रहा है और वे पहले भी इस तरह की घटनाओं में शामिल रहे हैं। पुलिस ने आरोपियों के पास से लूटे गए 5200 रुपये बरामद किए हैं, जिन पर खून के निशान भी पाए गए हैं। इसके अलावा घटना में इस्तेमाल किया गया खून से सना चाकू, दो महंगे एंड्रॉयड मोबाइल फोन और खून लगा टी-शर्ट भी जब्त किया गया है। बरामद मोबाइल फोन की कीमत करीब 1 लाख रुपये बताई जा रही है।

पटना के गांधी मैदान में बिहार दिवस कार्यक्रम का आयोजन आज, डीएम ने तैयारियों का लिया जायजा

एजेंसी। पटना

22 से 24 मार्च को पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में बिहार दिवस का आयोजन किया जाएगा। इस समारोह को खास बनाने की तैयारी है। कल बिहार दिवस कार्यक्रम का उद्घाटन बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार करेंगे। इस समारोह की तैयारियों का जायजा लेने के लिए पटना के डीएम डॉ. त्यागराजन एस.एम. आयोजन स्थल गांधी मैदान पहुंचे। उन्होंने इस कार्यक्रम की तैयारियों का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किये गये हैं। कार्यक्रम में आने वाले लोगों की सुविधाओं का खास ख्याल रखा गया है। इस कार्यक्रम को यादगार बनाने के लिए बॉलीवुड से कई सिंगर लोगों के मनोरंजन के लिए आ रहे हैं। पटना डीएम ने लोगों से शांतिपूर्वक माहौल में कार्यक्रम को देखने की अपील की। इस कार्यक्रम में किसी तरह की समस्या ना हो इसके लिए सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किये गये हैं। गांधी मैदान में चप्पे-चप्पे पर पुलिस बलों की तैनाती की गयी है। गांधी मैदान में सीसीटीवी कैमरे भी लगाये गये हैं जिससे सभी पर नजर रखी जाएगी। बता दें कि बिहार दिवस समारोह का उद्घाटन कल रविवार 22 मार्च को होगा। बारिश के बावजूद लगभग सारी तैयारी पूरी कल ली गयी है। इस बार बिहार दिवस के अवसर पर ह्यउन्नत बिहार, उज्ज्वल बिहारह्णथीम के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

मधुबनी में 38 लाख की कर चोरी, वाणिज्यकर विभाग की रेड में खुलासा, 15 लाख रुपये तत्काल डिपोजिट

एजेंसी। पटना

मधुबनी में वाणिज्यकर विभाग ने कर चोरी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए शहर के एक हार्डवेयर व्यवसायी के यहां छापेमारी की। जांच के दौरान करीब 38 लाख रुपये से अधिक की कर चोरी का खुलासा हुआ, जिसके बाद व्यवसायी ने तत्काल 15 लाख रुपये जमा किया। इस कार्रवाई के बाद जिले के अन्य कारोबारियों में हड़कंप मच गया है। उम्मीद जतायी जा रही है कि अब अन्य व्यवसायियों पर भी कार्रवाई की जाएगी। वाणिज्यकर विभाग, बिहार, पटना के निर्देश पर मधुबनी जिले में कर चोरी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए शहर के लोहापट्टी स्थित हार्डवेयर एवं पेंट व्यवसायी हनुमान आयरन स्टोर वाणिज्यकर विभाग ने छापेमारी की। इस दौरान 38 लाख ,2 हजार, 246 रुपया ,50 पैसा की कर चोरी का उजागर हुआ। छापेमारी में पता चला कि चार वर्षों से नकद कर का भुगतान नहीं किया जा रहा था। जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया कि उक्त प्रतिष्ठान द्वारा पिछले लगभग चार वर्षों से नकद कर का नियमित भुगतान नहीं किया जा रहा था, जिससे सरकारी राजस्व को क्षति पहुंच रही थी। निरीक्षण में 38 लाख से अधिक का कर चोरी उजागर हुआ .टीम द्वारा विस्तृत जांच के क्रम में कुल 38,02,246.50 (अड़तीस लाख दो हजार दो सौ छियालिस रुपये पचास पैसे) के कर चोरी का मामला उजागर किया गया। रेड के बाद व्यवसायी ने कर बकाया होने की बात को स्वीकार किया और तत्काल 15 लाख रुपये जमा किया। जांच के दौरान व्यवसायी द्वारा कर छुपाव को स्वीकार करते हुए तत्क्षण 15,00,000 (पंद्रह लाख रुपये) नकद के रूप में जमा कर दिया गया। साथ ही शेष बकाया राशि को आगामी कुछ दिनों में जमा कराने का आश्वासन भी दिया गया, जिसे निरीक्षण टीम द्वारा स्वीकार किया गया। अब अन्य व्यवसायियों पर भी कार्रवाई होगी। वाणिज्यकर विभाग ने स्पष्ट किया है कि आगामी दिनों में ऐसे अन्य चुनिंदा व्यवसायियों के यहां भी निरीक्षण अभियान चलाया जाएगा, जो नकद कर भुगतान में लापरवाही बरत रहे हैं। छापेमारी टीम में धर्मदेव कुमार, राज्यकर संयुक्त आयुक्त,शशि भूषण कुमार, उपायुक्त,सिंकेश कुमार, उपायुक्त,अविनाश कुमार, राज्यकर सहायक आयुक्त शामिल थे। अधिकारियों ने कहा कि टैक्स भुगतान में पारदर्शिता रखें। वाणिज्यकर विभाग ने सभी व्यवसायियों से अपील की है कि वे समय पर एवं नियमानुसार कर का भुगतान सुनिश्चित करें। कर चोरी करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बिहार के 21 जिलों में बारिश का अलर्ट : वज्रपात से तीन की मौत

एजेंसी। पटना

बिहार के 26 जिलों में बारिश और वज्रपात का अलर्ट जारी किया गया है। शनिवार सुबह से ही पटना समेत कई जिलों में हल्की बारिश हो रही है। कोसी सीमांचल के जिलों में अहले सुबह बारिश हुई है। लोगों को ठंड महसूस हो रही है। आज मौसम विभाग ने 21 जिलों में बारिश और वज्रपात का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, शनिवार को गया, जहानाबाद, अरवल, पटना, बेगूसराय, लखीसराय, शेखपुरा, रोहतास, भभुआ, औरंगाबाद, भोजपुर, बक्सर, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, सारण, सीवान, वैशाली, गोपालगंज, सारण, पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण में बारिश के आसार हैं। इन इलाकों में हवा की रफ्तार 40 से 50 किमी प्रति घंटे तक रहने के आसार हैं। मौसम विभाग ने आम लोगों से सतर्क और सावधान रहने की अपील की है। पिछले 24 घंटे में बिहार के कई जिलों में आंधी और बारिश हुई। शुक्रवार शाम और रात वज्रपात के कारण तीन लोगों की मौत हो गई। गया जिले के डुमरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत बरहा गांव में शुक्रवार को वज्रपात की एक दर्दनाक घटना सामने आई, जिसमें 55 वर्षीय महेंद्र यादव की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं जमुई के चकाई बाजार से ट्यूशन पढ़कर घर लौट रही एक छात्रा वज्रपात की चपेट में आ गई, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतका की पहचान चकाई प्रखंड के जलखरिया गांव निवासी शिक्षक रंजीत दास की 15 वर्षीय पुत्री रागिनी कुमारी के रूप में हुई है। मौसम विभाग ने आम लोगों से सतर्क और सावधान रहने की अपील की। कहा कि यदि आप खुली जगह पर हैं तो जल्द से जल्द पक्के मकान में शरण ले लें। ऊंचे पेड़ों और बिजली के खंभो से दूर रहें। खेतों की ओर से नहीं जाएं। मौसम सामान्य होने तक का इंतजार करें।

पिछले 24 घंटे में तीन लोगों की मौत

पिछले 24 घंटे में बिहार के कई जिलों में आंधी और बारिश हुई। शुक्रवार शाम और रात वज्रपात के कारण तीन लोगों की मौत हो गई। गया जिले के डुमरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत बरहा गांव में शुक्रवार को वज्रपात की एक दर्दनाक घटना सामने आई, जिसमें 55 वर्षीय महेंद्र यादव की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं जमुई के चकाई बाजार से ट्यूशन पढ़कर घर लौट रही एक छात्रा वज्रपात की चपेट में आ गई, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतका की पहचान चकाई प्रखंड के जलखरिया गांव निवासी शिक्षक रंजीत दास की 15 वर्षीय पुत्री रागिनी कुमारी के रूप में हुई है।

थावे दुर्गा मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं पर हमला प्रसाद के विवाद में जमकर हुई मारपीट

एजेंसी। गोपालगंज

गोपालगंज के थावे दुर्गा मंदिर परिसर में प्रसाद को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया, जिसमें दुकानदारों और श्रद्धालुओं के बीच मारपीट में कई लोग घायल हो गए। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। बिहार के गोपालगंज स्थित प्रसिद्ध शक्तिपीठ थावे दुर्गा मंदिर परिसर से शनिवार को एक अप्रिय घटना सामने आई, जहां प्रसाद खरीदने को लेकर दुकानदार और श्रद्धालुओं के बीच हिंसक झड़प हो गई। इस घटना में कई श्रद्धालु घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, विवाद की शुरूआत प्रसाद की कीमत और गुणवत्ता को लेकर हुई। पहले श्रद्धालुओं और दुकानदार के बीच कहासुनी हुई, लेकिन देखते ही देखते मामला बढ़कर मारपीट में बदल गया। आरोप है कि स्थानीय दुकानदारों ने एकजुट होकर श्रद्धालुओं पर हमला कर दिया। घटना के बाद मंदिर परिसर में अफरा-तफरी मच गई और काफी देर तक चीख-पुकार का माहौल बना रहा। इससे दर्शन के लिए पहुंचे अन्य श्रद्धालुओं में भी दहशत फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस सीसीटीवी फुटेज और प्रत्यक्षदर्शियों के आधार पर आरोपियों की पहचान में जुटी है।